ब्रिक्स एमएसएमई फोरम 2026 में सहयोग

स्थिरता और वैश्विक एकीकरण पर जोर

फोरम का उद्देश्य एमएसएमई पारिस्थितिकी तंत्र को सशक्त बनाना

आगरा, 21 जून 2026 ब्रिक्स देशों ने आगरा में आयोजित पहले ब्रिक्स एमएसएमई फोरम 2026 के उद्घाटन अवसर पर सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के बीच मजबूत सहयोग, स्थिरता और वैश्विक एकीकरण को बढ़ावा देने का आह्वान किया.

भारत सरकार के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय द्वारा आयोजित इस महत्वपूर्ण मंच पर ब्रिक्स सदस्य एवं सहयोगी देशों के सरकारी प्रतिनिधि, नीति-निर्माता, उद्योग जगत के प्रतिनिधि और निजी क्षेत्र के हितधारक एकत्र हुए. फोरम का उद्देश्य एमएसएमई पारिस्थितिकी तंत्र को सशक्त बनाना, नवाचार को प्रोत्साहित करना तथा वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए उद्यमों को तैयार करना था.

उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए केंद्रीय एमएसएमई मंत्री जीतन राम मांझी ने कहा कि समावेशी और सतत आर्थिक विकास में एमएसएमई की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है. उन्होंने वित्तीय पहुंच, तकनीक अपनाने, स्थिरता और बाजार विस्तार जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए ब्रिक्स देशों के बीच सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया. उन्होंने कहा कि सदस्य देशों के पास संसाधनों और क्षमताओं की प्रचुरता है, जिन्हें साझा कर एमएसएमई क्षेत्र को नवाचार, निर्यात और रोजगार सृजन का मजबूत आधार बनाया जा सकता है.

उत्तर प्रदेश के एमएसएमई मंत्री भूपेंद्र चौधरी ने कहा कि राज्य में एमएसएमई क्षेत्र तेजी से आर्थिक विकास, रोजगार सृजन और जमीनी स्तर पर समृद्धि का प्रमुख माध्यम बन रहा है. उन्होंने अवसंरचना विकास, नीति समर्थन, कौशल उन्नयन और डिजिटल सशक्तिकरण को राज्य की प्राथमिकताओं में शामिल बताते हुए कहा कि वैश्विक स्तर पर अनुभवों के आदान-प्रदान से इन प्रयासों को और गति मिलेगी.

फोरम के दौरान उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग की प्रधान आर्थिक सलाहकार योगिता स्वरूप ने उद्यम विकास के लिए नीतिगत समन्वय और अनुकूल कारोबारी वातावरण की आवश्यकता पर जोर दिया. वहीं, एसोचैम के महासचिव सौरभ सान्याल ने तकनीक हस्तांतरण, डिजिटल व्यापार, क्षमता निर्माण और आपूर्ति श्रृंखला एकीकरण को भविष्य की प्राथमिकताओं में शामिल बताया. फोरम का समापन स्थिरता, नवाचार, डिजिटल परिवर्तन और वैश्विक मूल्य श्रृंखला में एमएसएमई की भागीदारी बढ़ाने की साझा प्रतिबद्धता के साथ हुआ.

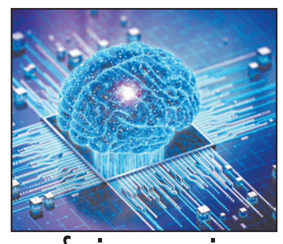

एआई कंप्यूट अवसंरचना के क्षेत्र में करेगी काम

मुंबई, 21 जून. अभियांत्रिकी एवं निर्माण क्षेत्र की दिग्गज कंपनी एलएंडटी की पूर्ण स्वामित्व वाली कंपनी व्योम.एआई लिमिटेड ने एक एलटीएन कंप्यूट प्राइवेट लिमिटेड (एलटीएनसीपीएल) नाम से एक नयी कंपनी बनायी है. एलएंडटी ने रविवार को शेयर बाजारों को बताया कि एलटीएनसीपीएल की स्थापना 20 जून 2026 को हुई है. यह एआई कंप्यूट इंफ्रास्ट्रक्चर और प्रौद्योगिकी सक्षम सेवाए प्रदान करेगी.

भारतीय इक्विटी बाजार से निकाले 60,471 करोड़

तीन सप्ताह में कुल 31,105 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी

डेट बाजार में 30,913 करोड़ रुपये का निवेश जारी

मुंबई, 21 जून भारतीय पूंजी बाजार में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की बिकवाली का सिलसिला जून में भी जारी रहा है. केंद्रीय डिपॉजिटरी सेवा (सीडीएसएल) के ताजा आंकड़ों के अनुसार, जून 2026 के पहले तीन सप्ताह के दौरान एफपीआई ने भारतीय बाजार से कुल 31,105 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की है. इसमें सबसे बड़ा असर इक्विटी बाजार पर पड़ा, जहां विदेशी निवेशकों ने 60,471 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली दर्ज की.

आंकड़ों के मुताबिक, शुद्ध निकासी का अर्थ बाजार में लगाए गए निवेश और निकाले गए धनराशि के बीच का अंतर है. इक्विटी के अलावा म्यूचुअल फंड क्षेत्र में भी विदेशी निवेशकों ने 128 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की, जबकि हाइब्रिड निवेश साधनों से 1,419 करोड़ रुपये वापस निकाले गए.

हालांकि, डेट बाजार में स्थिति इसके विपरीत रही. विदेशी निवेशकों ने जून में अब तक 30,913 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया है. विशेष रूप से बीते सप्ताह में ही लगभग 11,953 करोड़ रुपये का निवेश दर्ज किया गया, जो भारतीय ऋण बाजार में विदेशी निवेशकों की बढ़ती रुचि को दर्शाता है.

वर्ष 2026 की शुरुआत से अब तक एफपीआई भारतीय बाजारों से कुल 2,50,025 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी कर चुके हैं. इनमें इक्विटी और म्यूचुअल फंड से धन निकाला गया है, जबकि डेट बाजार में निवेश बढ़ा है. अकेले इक्विटी बाजार से विदेशी निवेशकों की निकासी 2,85,403 करोड़ रुपये तक पहुंच चुकी है. वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं, विकसित देशों की ब्याज दर नीतियों और बेहतर प्रतिफल की तलाश में विदेशी निवेशकों की रणनीति भारतीय इक्विटी बाजार में बिकवाली का प्रमुख कारण बनी हुई है. इसके बावजूद डेट बाजार में निवेश का बढ़ता प्रवाह भारतीय अर्थव्यवस्था और ऋण बाजार के प्रति विदेशी निवेशकों के भरोसे को दर्शाता है.

चावल, गेहूं में साप्ताहिक तेजी

चीनी नरम, खाद्य तेल, दालों में घट-बढ़

नयी दिल्ली, 21 जून घरेलू थोक जिंस बाजारों में बीते सप्ताह चावल का औसत भाव बढ़ गया. चावल के साथ गेहूं में भी तेजी रही. चीनी में मंदी का रुख देखा गया, जबकि खाद्य तेलों और दालों में उतार-चढ़ाव रहा.

सप्ताह के दौरान चावल की औसत कीमत 50 रुपये बढ़कर सप्ताहांत पर 3,868 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गयी. गेहूं 37 रुपये महंगा हुआ और 2,788 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गया. आटे का भाव 16 रुपये चढ़कर 3,264 रुपये प्रति क्विंटल हो गया.

सप्ताह के दौरान उड़द दाल की औसत कीमत 19 रुपये और तुअर दाल की 18 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी. मसूर दाल भी नौ रुपये महंगी हुई. वहीं, चना दाल आठ रुपये गिर गयी. मूंग दाल के भाव में टिकाव देखा गया.

खाद्य तेलों में भी साप्ताहिक उतार-चढ़ाव देखने को मिला. मूंगफली तेल 182 रुपये और पाम ऑयल 43 रुपये प्रति क्विंटल फिसल गया. वहीं, वनस्पति 143 रुपये और सूरजमुखी तेल 109 रुपये महंगा हुआ. सरसों तेल में 81 रुपये और सोया तेल में 59 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़त रही.

मीठे के बाजार में बीते सप्ताह गुड़ का औसत भाव दो रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गया. दूसरी तरफ, चीनी पांच रुपये सस्ती हुई.

ईपीएफओ खाताधारकों को बड़ी सौगात

भागलपुर में प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना के तहत 32 युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए

भागलपुर, 21 जून कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के करोड़ों खाताधारकों के लिए एक बड़ी और महत्वपूर्ण राहत की घोषणा की गई है. भविष्य में EPFO सदस्य अपने भविष्य निधि खाते से धनराशि सीधे ATM के माध्यम से निकाल सकेंगे.

यह जानकारी भागलपुर के ऐतिहासिक टाउन हॉल में आयोजित प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना के जिला स्तरीय कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों ने साझा की. इस घोषणा को श्रमिकों और नौकरीपेशा वर्ग के लिए सामाजिक सुरक्षा प्रणाली को अधिक सरल, तेज और तकनीक आधारित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है.कार्यक्रम में मौजूद अधिकारियों ने बताया कि केंद्र सरकार और श्रम एवं रोजगार मंत्रालय श्रक्कह सेवाओं के व्यापक डिजिटलीकरण पर काम कर रहे हैं. इसी क्रम में PF निकासी प्रक्रिया को बैंकिंग सेवाओं की तरह आसान बनाने की योजना तैयार की जा रही है. प्रस्तावित व्यवस्था लागू होने के बाद खाताधारकों को अपनी जमा राशि निकालने के लिए लंबी ऑनलाइन क्लेम प्रक्रिया, दस्तावेजी औपचारिकताओं या कार्यालयों के चक्कर लगाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी. आपातकालीन परिस्थितियों में वे झरूके माध्यम से अधिक तेजी और सुविधा के साथ अपने फंड तक पहुंच बना सकेंगे.

हालांकि अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि इस सुविधा को लागू करने के लिए आवश्यक तकनीकी और प्रशासनिक ढांचे पर अभी काम जारी है. निकासी की सीमा, पात्रता, सुरक्षा मानक और संचालन प्रक्रिया जैसे पहलुओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है. इसके बावजूद यह घोषणा करोड़ों कर्मचारियों के लिए उम्मीद की नई किरण लेकर आई है, क्योंकि लंबे समय से PF निकासी को और अधिक आसान बनाने की मांग की जाती रही है.

भागलपुर का यह कार्यक्रम केवल ईपीएफओ से जुड़ी घोषणा तक सीमित नहीं रहा, बल्कि रोजगार सृजन के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण उपलब्धि का साक्षी बना. प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना के तहत जिले के 32 युवाओं को नियुक्ति पत्र सौंपे गए. कार्यक्रम में विभिन्न विभागों और संस्थानों में चयनित युवाओं को औपचारिक रूप से रोजगार पत्र प्रदान किए गए. अधिकारियों ने कहा कि सरकार का उद्देश्य युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराना और उन्हें देश के विकास अभियान में सक्रिय भागीदार बनाना है. टाउन हॉल में आयोजित यह कार्यक्रम केंद्र सरकार के राष्ट्रव्यापी अभियान का हिस्सा था.

अद्वित ज्वेल्स लिमिटेड का पहला आईपीओ मंगलवार को खुलेगा

जयपुर, 21 जून अद्वित ज्वेल्स लिमिटेड का अपना पहला प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) मंगलवार को खुलेगा.

कंपनी ने शनिवार को यहां मीडिया को यह जानकारी देते हुए बताया कि आईपीओ के लिए 10 रुपये की फेस वैल्यू वाले प्रति इक्विटी शेयर का प्राइस बैंड 130 रुपये से 138 रुपये तय कर दिया है. कंपनी का यह आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए 23 जून को खुलेगा और 25 जून 2026 को बंद हो जाएगा. निवेशक कम से कम सौ इक्विटी शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं और उसके बाद सौ इक्विटी शेयरों के मल्टीपल्स में ही दांव लगा पाएंगे. कंपनी के कुल तीन करोड़ 38 हजार 42 हजार इक्विटी शेयर आउटस्टैंडिंग हैं, जिनकी फेस वैल्यू 10 रुपये प्रति शेयर है.

इस आईपीओ के तहत एक करोड़ 19 लाख 68 हजार इक्विटी शेयरों का फ्रेश इश्यू (नए शेयर) जारी किए जा रहे हैं. इस फ्रेश इश्यू से मिलने वाले पैसों में से 65 करोड़ रुपये का इस्तेमाल कंपनी की वर्किंग कैपिटल (रोजमर्रा के कामकाज के खर्च) की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए किया जाएगा वहीं, 65 करोड़ रुपये का इस्तेमाल कंपनी पर बकाया कुछ कर्जों को पूरा या आंशिक चुकाने के लिए होगा. बाकी बची रकम सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों (जनरल कॉर्पोरेट पर्पज) पर खर्च की जाएगी.

अद्वित ज्वेल्स भारत में रत्नों और गहनों के सबसे बड़े गढ़ राजस्थान के जयपुर में स्थित है.

ऑस्ट्रिया को निर्यात किया गया अंडे का पाउडर

नयी दिल्ली, 21 जून कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) की मदद से पहली बार ओडिशा के बलांगिर से ऑस्ट्रिया को सूखे साबुत अंडे के पाउडर की पहली वाणिज्यिक खेप निर्यात की गयी है.

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि यह खेप बलांगिर स्थित ओवीओ फार्म प्राइवेट लिमिटेड की ओर से निर्यात की गयी थी, जो एपीडा में पंजीकृत निर्यातक है. यह देश के मूल्यवर्धित पोल्ट्री उत्पादों की बढ़ती वैश्विक स्वीकृति को दर्शाता है और प्रीमियम अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में प्रसंस्कृत अंडा उत्पादों के निर्यात के लिए नये मार्ग खोलता है.

सूखे अंडे का पाउडर लंबी शेल्फ लाइफ, आसान परिवहन और बहुमुखी इस्तेमाल के कारण खाद्य प्रसंस्करण उद्योग, बेकरी, मिठाई निर्माण और फार्मास्युटिकल में व्यापक तौर पर इस्तेमाल किया जाता है. तरल अंडों के स्प्रे-ड्राइंग से यह पाउडर तैयार किया जाता है.

सूखे अंडे के पाउडर की 22.6 टन की निर्यात खेप को एपीडा अध्यक्ष अभिषेक देव ने वर्चुअल माध्यम से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया. इस कार्यक्रम में ओडिशा सरकार के मत्स्य एवं पशु संसाधन विकास (एफएंडएआरडी) विभाग के आयुक्त-सह-सचिव प्रेम चंद और बलांगिर के कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट गौरव शिवाजी इसलवार भी मौजूद रहे. निर्यात करने वाली कंपनी के प्रतिनिधि, एपीडा के वरिष्ठ अधिकारी और अन्य हितधारक भी कार्यक्रम में शामिल हुए.

सीसीपीए ने दो कंपनियों पर लगाया एक-एक लाख का जुर्माना

नयी दिल्ली, 21 जून केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने खाद्य उत्पादों के संबंध में '100 प्रतिशत' शब्द के भ्रामक इस्तेमाल और कारोबार में अनुचित तरीके अपनाने के लिए दो कंपनियों पर एक-एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया है.

जिन कंपनियों पर जुर्माना लगाया गया है उनमें स्टोरिया फूड्स एंड बेव्रिजेज प्राइवेट लिमिटेड और इंग्लिश अवन ब्रांड नाम से कारोबार करने वाली कंपनी बेक्टर्स फूड स्पेशियलिटीज लिमिटेड शामिल हैं.

प्राधिकरण ने दोनों कंपनियों को निर्देश दिया है कि वे अपने उत्पादों की पैकेजिंग, वेबसाइटों और सभी डिजिटल प्लेटफॉर्मों से इन भ्रामक दावों को तत्काल हटायें. यह कार्रवाई उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 तथा भ्रामक विज्ञापनों और उनके समर्थन की रोकथाम संबंधी दिशा-निर्देश, 2022 के तहत की गयी है.

मानसून की प्रगति से तय होगी बाजार की दिशा

मुंबई, 21 जून घरेलू शेयर बाजारों में पिछले सप्ताह रही गिरावट के बाद आने वाले हफ्ता में निवेशकों की नजर वैश्विक कारकों के साथ घरेलू स्तर पर मानसून की प्रगति और आठ महत्वपूर्ण उद्योगों के आंकड़ों पर रहेगी.

ईरान और अमेरिका के बीच हुए शांति समझौते को लागू करने में कितनी प्रगति होती है, विशेषकर होर्मुज जलडमरूमध्य को व्यापार के लिए खोलने की दिशा में, इसका असर सीधे शेयर बाजारों पर पड़ेगा.

दूसरी तरफ, मानसून पिछले करीब एक सप्ताह से अटका हुआ है. इससे निवेशकों में चिंता हो सकती है. साथ ही, देश के आठ महत्वपूर्ण उद्योग क्षेत्रों के आंकड़े भी इसी सप्ताह जारी होने हैं. इन सभी कारकों का असर निवेश धारणा पर दिखेगा.

बीते सप्ताह पहले चार दिन बाजार में तेजी रही जबकि आखिरी दिन बिकवाली का जोर रहा. बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स सप्ताह के दौरान 1,274.95 अंक (1.69 प्रतिशत) चढ़कर शुक्रवार को 76,802.90 अंक पर रहा.

एमएलसी चुनाव में 'संकटमोचक' बने डीके

'सुनी अंतरात्मा की आवाज', भाजपा विधायकों ने की क्रॉस वोटिंग

बेंगलुरु. कर्नाटक में मुख्यमंत्री बदलते ही खेला शुरू हो गया है. राज्य के नए मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने विधान परिषद चुनाव में भाजपा के साथ खेला कर दिया. गुरूवार को सात विधान परिषद सीटों के लिए हुए चुनाव में मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार भाजपा को मात देते हुए कांग्रेस को पांच सीट जीताने में सफल रहे.

यह जीत इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि संख्या के हिसाब से कांग्रेस को चार सीट जीतने की ही उम्मीद थी. पार्टी ने चुनाव में पांचवी सीट पर अपना उम्मीदवार उतारा और जीत भी हासिल की. वहीं, प्रमुख विपक्षी दल भाजपा को मात्र दो सीटों पर संतोष करना पड़ा. मतदान के दौरान सभी 222 विधायकों ने वोट डाले.

मुख्यमंत्री शिवकुमार ने भाजपा के साथ खेला करते हुए भाजपा से निष्कासित तीन विधायकों में से दो विधायक से क्रॉस वोट करवा दिया और वो कांग्रेस के पक्ष में गया. मतदान प्रक्रिया खत्म होने के दोनों विधायकों ने बताया कि उन्होंने अपनी अंतरात्मा की आवाज सुनी.

विधानपरिषद चुनाव में प्रत्याशियों को चुनाव जीतने के लिए प्रत्येक को 28 वोट की जरूरत थी. विधानसभा में कांग्रेस और भाजपा के संख्या बल के आधार पर दोनों को चार और दो सीटें आसानी से जीतने की संभावना थीं, लेकिन कांग्रेस ने खेला करते हुए पांचवी सीट पर भी पार्टी की जीत सुनिश्चित कर ली.

निष्कासित विधायकों ने किया खेला

कर्नाटक में सत्तारूढ़ पार्टी कांग्रेस, बीजेपी से निष्कासित विधायकों के साथ-साथ निर्दलीय विधायकों की मदद से पांच सीट जीतने की उम्मीद कर रही थी. वहीं, भाजपा की सहयोगी दल जद(एस) को भाजपा की मदद से एक सीट जीतने की उम्मीद थी. मतदान के बाद भाजपा से निष्कासित तीन में से दो विधायक- एस टी सोमशेखर और शिवराम हेब्बार ने मीडिया से बातचीत में बताया कि उन्होंने अंतरात्मा की आवाज सुनी और मतदान किया. बातचीत के दौरान उन्होंने बताया कि वोट के लिए भाजपा और जद(एस) ने हमसे कोई संपर्क नहीं किया, जबकि मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने उनसे संपर्क किया और अपने उम्मीदवार के लिए समर्थन मांगा.

पंजाब की राजनीति में जाट सिखों का दबदबा

क्या बीजेपी की केवल सिंह ढिल्लो को अध्यक्ष बनाने वाली रणनीति होगी सफल

चंडीगढ़. पंजाब में बीजेपी ने बड़ा सियासी दांव खेलते हुए केवल सिंह ढिल्लों को प्रदेश अध्यक्ष बनाया है. ढिल्लों पार्टी के दूसरे सिख और पहले जाट सिख अध्यक्ष बने हैं. उन्होंने सुनील जाखड़ की जगह ली है जो बीजेपी में इस पद पर रहने वाले पहले जाट नेता थे.

यह बदलाव केवल संगठनात्मक नहीं, बल्कि पंजाब में पार्टी की सामाजिक और राजनीतिक रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है. पंजाब में जाट सिख लंबे समय से राज्य की राजनीति का सबसे प्रभावशाली वर्ग माने जाते रहे हैं. ऐसे में केवल सिंह ढिल्लों की नियुक्ति साफ संकेत देती है कि बीजेपी अब सीधे इस वर्ग में अपनी पैठ मजबूत करना चाहती है. पार्टी की रणनीति सिर्फ जाट सिखों तक सीमित नहीं है, बल्कि ओबीसी, अनुसूचित जाति और गैर-जाट सिख समुदायों को भी अपने साथ जोड़ने की है. राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि बीजेपी की यह रणनीति हरियाणा मॉडल से प्रेरित है, जहां जाट बनाम बाकी की राजनीति ने पार्टी को सत्ता तक पहुंचाया था. किसान आंदोलन के दौरान 2020 में पंजाब बीजेपी के संगठन मंत्री दिनेश कुमार ने भी खुलकर कहा था कि पंजाब में जाट सिखों का दबदबा है और 82 प्रतिशत गैर-जाट आबादी को सत्ता में पर्याप्त हिस्सेदारी नहीं मिली.

हालांकि, जाट सिखों की आबादी को लेकर हमेशा बहस रही है. कुछ राजनीतिक दल और विश्लेषक इसे 20 प्रतिशत से कम बताते हैं, लेकिन लोकनीति-छ्रस्छ्रस के आंकड़े कुछ और कहानी कहते हैं. 2002 से 2022 के चुनावी सर्वे बताते हैं कि जाट सिख अभी भी पंजाब के कुल वोटरों का लगभग 30 प्रतिशत हिस्सा हैं.

5 देशरत्न मार्ग का बंगला और बढ़ीं अटकलें!

क्या निशांत कुमार बनने वाले हैं बिहार के डिप्टी सीएम

पटना. बिहार की राजनीति में 5 देशरत्न मार्ग का विशेष महत्व रहा है. मुख्यमंत्री आवास के बाद इसे लंबे समय से सत्ता के दूसरे बड़े केंद्र के रूप में देखा जाता रहा है.

खास बात यह है कि पिछले कई वर्षों में इस बंगले में ज्यादातर उपमुख्यमंत्री या सरकार के सबसे वरिष्ठ मंत्री ही रहते आए हैं. इस बंगले में पूर्व उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी, तेजस्वी यादव (दो बार), तारकिशोर प्रसाद और सम्राट चौधरी जैसे नेता रह चुके हैं. यही वजह है कि इस आवास को लेकर हमेशा राजनीतिक संकेत तलाशे जाते रहे हैं.

बीजेपी प्रवक्ता कुंतल कृष्ण का कहना है कि 5 देशरत्न मार्ग का आवास आमतौर पर उपमुख्यमंत्री या वरिष्ठ मंत्री को दिया जाता रहा है. उनके मुताबिक वर्तमान में दोनों उपमुख्यमंत्री अपने पहले से आवंटित सरकारी आवास में ही रहना चाहते हैं और उन्होंने सरकार से वहीं रहने का आग्रह किया है. इसी वजह से यह आवास स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार को दिया गया है. उन्होंने कहा कि इसमें किसी तरह का राजनीतिक संदेश तलाशने की जरूरत नहीं है.

जेडीयू में बढ़ता कद भी चर्चा की वजह

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस पूरे मामले में एक और पहलू अहम है. जेडीयू के कई नेता सार्वजनिक रूप से यह कहते रहे हैं कि निशांत कुमार पार्टी का भविष्य हैं और आने वाले समय में उनकी भूमिका और बड़ी हो सकती है. ऐसे में 5 देशरत्न मार्ग जैसा प्रतिष्ठित आवास मिलने के बाद यह चर्चा और तेज हो गई है कि क्या पार्टी और सरकार दोनों में उनके लिए कोई बड़ी भूमिका तैयार की जा रही है.

विशेष | **बहुमत होने के बावजूद प्रणव झा हारे, क्रॉस वोटिंग की चर्चा तेज**

तेजस्वी ने लिया बदला, कांग्रेस के साथ खेला?

रांची. झारखंड के राज्यसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन को बड़ा राजनीतिक झटका लगा है. विधानसभा में पर्याप्त संख्या बल होने के बावजूद कांग्रेस उम्मीदवार प्रणव झा जीत दर्ज नहीं कर सके.

वहीं भाजपा समर्थित निर्दलीय प्रत्याशी परिमल नाथवाणी ने चुनाव में जीत ने सभी को चौंका दिया है. नाथवाणी को जीत के लिए 28 वोट मिले, जबकि प्रणव झा के खाते में महज 20 वोट आए. दूसरी तरफ झारखंड मुक्ति मोर्चा के उम्मीदवार बैजनाथ राम ने 30 वोटों के साथ जीत दर्ज की.

मालूम हो कि झारखंड की दो राज्यसभा सीटों के लिए 18 जून को मतदान कराया गया था. चुनावी मैदान में इंडिया गठबंधन की ओर से दो उम्मीदवार उतारे गए थे, वहीं परिमल नाथवाणी निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में एनडीए समर्थित थे. राज्यसभा की एक सीट जीतने के लिए 28 विधायकों के समर्थन की जरूरत थी. विधानसभा में इंडिया गठबंधन के पास कुल 56 विधायक होने के बावजूद कांग्रेस उम्मीदवार की हार ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं.

आखिर समीकरण कैसे बदला?- झारखंड विधानसभा की कुल 81 सीटों में से झामुमो के पास 34 विधायक हैं, जबकि कांग्रेस के 16 विधायक हैं. इसके अलावा राष्ट्रीय जनता दल के 4 और माले के 2 विधायक गठबंधन का हिस्सा हैं. इस तरह सत्तारूढ़ गठबंधन की कुल ताकत 56 विधायकों की है. वहीं विपक्ष में भाजपा के 21 विधायक हैं.

बैजनाथ राम को मिले अपेक्षा से अधिक वोट

जानकारी के मुताबिक झामुमो उम्मीदवार बैजनाथ राम को 30 वोट मिले. जबकि जीत के लिए उन्हें केवल 28 मतों की जरूरत थी. माना जा रहा है कि सीट को पूरी तरह सुरक्षित रखने के लिए पार्टी ने अतिरिक्त विधायकों से भी उनके पक्ष में मतदान कराया. चर्चा है कि कांग्रेस उम्मीदवार प्रणव झा को कांग्रेस के 16 विधायकों के अलावा छ्रूरूके 4 विधायकों का समर्थन मिला.